



उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं में अध्ययन में एकाग्रता का तुलनात्मक अध्ययन

‘डॉ. शालिनी गुप्ता

सहा. प्राध्यापक , कमला नेहरू महाविद्यालय

सारांश

अध्ययन की आदतें एक छात्र के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। किसी विद्यार्थी की सफलता या असफलता उसकी अपनी अध्ययन आदतों पर निर्भर करती है। सीखने का प्रभावी और कुशल तरीका छात्रों की अध्ययन आदतों पर निर्भर करता है। अध्ययन की आदतें महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करती हैं। अच्छे शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए अच्छी अध्ययन आदतें एक शर्त हैं (राबिया, मुबारक, तल्लट एव नासिर, 2017))। प्रस्तुत अध्ययन भोपाल जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र- छात्राओं की अध्ययन आदतों में से एक अध्ययन में एकाग्रता का तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु किया गया है। शोध के आंकड़ों को एकत्रित करने के लिए सर्वे विधि को अपनाया गया है। सर्वे के लिए भोपाल जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों का चयन सरल यादृच्छिक पद्धति द्वारा किया गया है। छात्र-छात्राओं की अध्ययन में एकाग्रता का अध्ययन करने हेतु डिम्पल रानी एवं जैदका द्वारा निर्मित मानकीकृत उपकरण अध्ययन आदत मापनी का उपयोग किया गया है। इस अध्ययन द्वारा भोपाल जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र – छात्राओं की अध्ययन में एकाग्रता को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। यह छात्रों को जागरूकता के लिए आधार प्रदान करने और यह जानने में मदद करेगा कि उनकी वर्तमान अध्ययन की आदतें परीक्षाओं में उनके प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करती हैं। शोध द्वारा यह साबित हो गया है कि विद्यार्थियों के सीखने में लिंग एक महत्वपूर्ण चर है। शोध शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 100 छात्रों और 100 छात्राओं के बीच आयोजित किया गया था। परिणामों से पता चला कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्रों और छात्राओं की अध्ययन में एकाग्रता के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है और आगे यह भी पता चला है कि शासकीय विद्यालयों के छात्रों की अपेक्षा अशासकीय विद्यालयों के छात्रों में अध्ययन में एकाग्रता कम पायी गयी जबकि अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं की अपेक्षा शासकीय विद्यालयों की छात्राओं में अध्ययन में एकाग्रता कम पायी गई। अतः यह कहा जा सकता है कि शासकीय विद्यालयों के छात्र ज्यादा एकाग्रता के साथ अध्ययन करते हैं जबकि अशासकीय विद्यालयों की छात्राएं अध्ययन में ज्यादा एकाग्रता प्रदर्शित करती हैं।

विशिष्ट शब्दावली – शासकीय विद्यालय, अशासकीय विद्यालय, अध्ययन आदतें , अध्ययन में एकाग्रता

प्रस्तावना

अध्ययन आदतों का अर्थ है; सीखने के लिए एक समर्पित निर्धारित और निर्बाध समय देना। इसके बिना व्यक्ति का विकास नहीं होता और वह जीवन में आत्म-सीमित नहीं हो पाता। अध्ययन आदतें इंसान को बताती हैं कि वह कितना सीखेगा और कितनी दूर तक जाना चाहता है और कितना कमाना चाहता है। ये सब जीवन भर, किसी की अध्ययन आदतों की मदद से तय किया जा सकता है। स्टेला और पुर्तशोथमन (1993) ने कहा कि शोधकर्ताओं ने इस पारंपरिक वर्गीकरण में समूह के औसत स्कोर या एक मानक मानदंड में संदर्भ बिंदु, उच्च, औसत और निम्न उपलब्धि हासिल करने वालों के वर्गीकरण के संदर्भ में विद्यार्थियों की उपलब्धि का विश्लेषण किया है, लेकिन अध्ययन की आदतें हर व्यक्ति में अलग-अलग होती हैं, इसलिए उपयुक्त अध्ययन

आदतें विकसित करके विद्यार्थियों को आगे बढ़ने में मदद करने के प्रयास में, हमें मापदंडों के एक अलग सेट की आवश्यकता होती है जो व्यक्तिगत क्षमताओं को ध्यान में रखता है।

अध्ययन आदतें विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यार्थी आधुनिक तकनीकों का उपयोग अपने अध्ययन के लिए कर के अच्छे परिणाम सुनिश्चित कर सकते हैं। प्रत्येक छात्र में अलग-अलग अध्ययन आदतें होती हैं। कुछ छात्र भीड़-भाड़ वाली जगह पर पढ़ सकते हैं लेकिन कुछ छात्रों को पढ़ाई करने के लिए शांत वातावरण की आवश्यकता होती है, हालाँकि शांत वातावरण में पढ़ाई करना अच्छा रहता है। यह अध्ययन आदतें अध्ययन में एकाग्रता में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं।

अच्छी आदतों के लिए एकाग्रता एक महत्वपूर्ण पहलू है। एकाग्रता एक ऐसा शब्द है जो एक होने की अवस्था को दर्शाता है। एकाग्रता की अवस्था में व्यक्ति निश्चित समय में एक विशेष कार्य करने के लिए ध्यान केंद्रित करता है। एकाग्रता का अर्थ है – एक साथ लगातार मन लगाकर कुछ करना, जिससे बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकें। अतः एकाग्रता वह महत्वपूर्ण गुण है जिससे व्यक्ति को अपने लक्ष्य की दिशा में सफलता प्राप्त करने में मदद मिलती है।

साहित्य समीक्षा

इस्सा एट अल. (2012) ने सिफारिश की कि रोजमर्रा की पढ़ने की गतिविधियाँ जिनमें छात्र संलग्न होते हैं, उनके अध्ययन कौशल और उसके बाद के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। एक सामान्य समझ है जिसमें कोई पढ़ने की अच्छी आदतों और आम तौर पर छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध की सराहना करता है।

पलानी (2012) के अनुसार अध्ययन आदतें इस दुनिया में एक साक्षर समाज बनाने के लिए एक आवश्यक और महत्वपूर्ण पहलू है। यह व्यक्तियों के व्यक्तित्व को आकार देता है और यह उन्हें उचित सोच के तरीकों को विकसित करने में मदद करता है, और नये विचार बनाता है। हालाँकि, मास मीडिया के विकास ने पुस्तकों, और पत्रिकाओं को पढ़ने में रुचि को प्रभावित करना जारी रखा है।

राबिया, एम. एवं अन्य (2017) ने सियालकोट के दो शासकीय महाविद्यालयों (गवर्नमेंट अल्लामा इकबाल कॉलेज फॉर वूमेन सियालकोट और गवर्नमेंट टेक्नीकल कॉलेज फॉर ब्याइज, सियालकोट) के 270 विद्यार्थियों पर अपना अध्ययन किया। उनके अध्ययन का विषय था – “छात्रों की अध्ययन आदतों और शैक्षिक प्रदर्शन पर अध्ययन”। इस अध्ययन में उन्होंने छात्रों की अध्ययन आदतों और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच संबंधों की जाँच की। अध्ययन के लिए 270 विद्यार्थियों को स्तरीकृत प्रतिचयन द्वारा चयनित किया। संबंधों की जाँच करने के लिए काई-स्क्वेयर टेस्ट का उपयोग किया गया। परिणाम में पता चला कि छात्रों की अध्ययन आदतों और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

ली वी. हान्द (2021) के अनुसार एकाग्रता विद्यार्थी की सीखने की गुणवत्ता में सबसे प्रभावशाली निर्णायक कारकों में से एक है। छात्र का स्तर जितना ऊँचा होता है, कक्षा में उनका ध्यान उतना ही कम होता है, विशेषकर विश्वविद्यालय के छात्रों पर। एकाग्रता क्षमता के इस निम्न स्तर के कारण, कई व्याख्याताओं को इस स्तर के छात्रों को पढ़ाते समय अपना उत्साह बनाए रखना कठिन लगता है, और उन छात्रों को विश्वविद्यालय से स्नातक होने पर सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना भी कठिन लगता है। हान्द ने अपने शोध में कुछ उपाय बताये जिनका प्रयोग करके विद्यार्थियों की एकाग्रता को बढ़ाया जा सकता है।

प्रमुख शब्दों की संक्रियात्मक परिभाषा :

शासकीय विद्यालय – शासकीय विद्यालयों से तात्पर्य ऐसे विद्यालयों से है जो मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित हैं तथा इनका प्रशासन एवं प्रबन्धन सरकार द्वारा किया जाता है।

अशासकीय विद्यालय – अशासकीय विद्यालयों से तात्पर्य ऐसे विद्यालयों से है जिन्हें मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा निजी संगठनों, संस्थाओं अथवा व्यक्तियों द्वारा इनका संचालन किया जाता है।

अध्ययन आदतें – अध्ययन आदतें एक सुनियोजित एवं सुविचारित पैटर्न है, जिसमें छात्रों के अकादमिक विषयों और परीक्षा उत्तीर्ण करने की दिशा में एकरूपता लाने के लिए एक रूप प्राप्त कर लिया है। (पॉक 1962, डीज 1952, अकिनदाय 1974 और ओयदजी 1974 द्वारा उद्धृत)

एकाग्रता – एकाग्रता वह कला है, जिसके आते ही सफलता निश्चित हो जाती है। कर्म, भक्ति, ज्ञान, योग और सम्पूर्ण साधनों की सिद्धि का मूल मंत्र एकाग्रता है। (दीनानाथ दिनेश)

शोध अध्ययन की प्रविधि –

प्रस्तुत शोध अध्ययन भोपाल जिले के शासकीय एवं अशासकीय उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों पर किया गया है। जिसमें शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों से 100 विद्यार्थी एवं अशासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों से 100 विद्यार्थियों का चयन शोध अध्ययन हेतु किया गया। भोपाल जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श पद्धति द्वारा किया गया है। यह शोध अध्ययन सर्वेक्षणात्मक पद्धति पर आधारित है। शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अध्ययन में एकाग्रता के मापन हेतु डिम्पल रानी एवं जैदका द्वारा निर्मित मानकीकृत उपकरण अध्ययन आदत मापनी का उपयोग किया गया है।

स्वतंत्र चर – जिस चर पर प्रयोगकर्ता का पूर्ण रूप से नियंत्रण रहता है एवं जिसके कारण चरों के प्रभाव का अध्ययन प्रयोगकर्ता करना चाहता है, उसे स्वतंत्र चर कहा जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के स्वतंत्र चर है –

1. शासकीय एवं अशासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
2. छात्र एवं छात्राएं

आश्रित चर – आश्रित चर वह चर होता है, जिस पर स्वतंत्र चर का प्रभाव पड़ने पर व्यवहारिक परिवर्तन होता है तथा जिसका अध्ययन एवं मापन शोधकर्ता द्वारा किया जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के आश्रित चर है –

- अध्ययन में एकाग्रता

शोध के उद्देश्य –

- 1 : शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्रों के अध्ययन में एकाग्रता का अध्ययन करना।
- 2 : शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं के अध्ययन में एकाग्रता का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएं –

परिकल्पना 1 : शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्रों के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना 2 : शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है।

आंकड़ों का विश्लेषण –

तालिका क्र.1.1

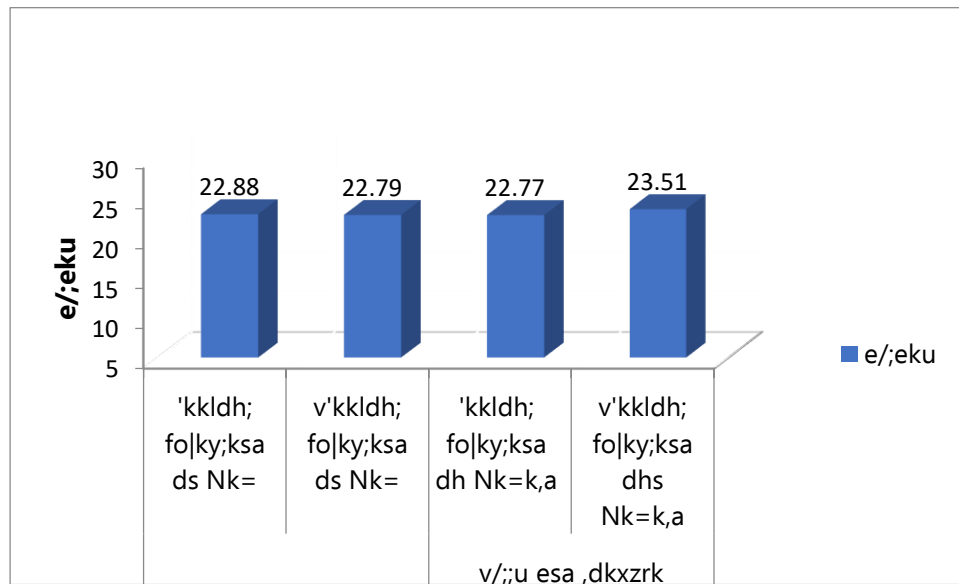
शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र – छात्राओं की अध्ययन में एकाग्रता का टी-मान

चर	समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी सारणीमान	परिकलित टी- मान	सार्थकता
अध्ययन में एकाग्रता	शासकीय विद्यालयों के छात्र	50	22 ^{७88}	6 ^{७90}	1 ^{७97}	७127	सार्थक नहीं
	अशासकीय विद्यालयों के छात्र	50	22 ^{७79}	5 ^{७79}			
	शासकीय विद्यालयों की छात्राएं	50	22 ^{७77}	5 ^{७67}	1 ^{७97}	1 ^{७21}	सार्थक नहीं
	अशासकीय विद्यालयों की छात्राएं	50	23 ^{७51}	5 ^{७76}			

व्याख्या – शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्रों के अध्ययन में एकाग्रता का मध्यमान क्रमशः 22.88 एवं 22.79 है। इस प्रकार शासकीय विद्यालयों के छात्रों का मध्यमान अशासकीय विद्यालयों के छात्रों की अपेक्षा अधिक है। तालिका क्र. 1.1 से स्पष्ट है कि परिकलित टी मान .127 है जबकि ;कद्वि त्र 298 के लिए .05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1.97 है। इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान कम है अर्थात् ;७127७1७७७७ अतः परिकल्पना शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्रों के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है, स्वीकृत होती है। इस प्रकार कह सकते हैं कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्रों के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है।

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं के अध्ययन में एकाग्रता का मध्यमान क्रमशः 22.77 एवं 23.51 है। इस प्रकार अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं का मध्यमान शासकीय विद्यालयों की छात्राओं की अपेक्षा अधिक है। तालिका क्र. 1.1 से स्पष्ट है कि परिकलित टी मान 1.21 है जबकि ;कद्वि त्र 298 के लिए .05 स्तर सार्थकता परीक्षण के लिए टी का सारणीमान 1.97 है। इस प्रकार सारणीमान से परिकलित मान कम है अर्थात् ;1.21७1७७७७ अतः परिकल्पना शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है स्वीकृत होती है। इस प्रकार कह सकते हैं कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है।

सामान्यीकरण – तालिका में दिए गए दोनों समूहों के मध्यमानों का अवलोकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि शासकीय विद्यालयों के छात्रों का मध्यमान अशासकीय विद्यालयों के छात्रों की अपेक्षा अधिक है। अतः अशासकीय विद्यालयों के छात्रा में अध्ययन में एकाग्रता कम पायी गई। अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं का मध्यमान शासकीय विद्यालयों की छात्राओं की अपेक्षा अधिक है। अतः शासकीय विद्यालयों की छात्राओं में अध्ययन में एकाग्रता कम पायी गई।



आरखे में दिए गए दोनों समूहों के मध्यमानों का अवलोकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि शासकीय विद्यालयों के छात्रों का मध्यमान अशासकीय विद्यालयों के छात्रों की अपेक्षा अधिक है। अतः अशासकीय विद्यालयों के छात्रों में अध्ययन में एकाग्रता कम पायी गई।

अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं का मध्यमान शासकीय विद्यालयों की छात्राओं की अपेक्षा अधिक है अतः शासकीय विद्यालयों की छात्राओं में अध्ययन में एकाग्रता कम पायी गई।

शोध के परिणाम –

परिकल्पना 1 : शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्रों के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है।

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्रों के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

परिकल्पना 2 : शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं है।

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं के अध्ययन में एकाग्रता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

निष्कर्ष –

शासकीय विद्यालयों के छात्रों का मध्यमान अशासकीय विद्यालयों के छात्रों की अपेक्षा अधिक है। अतः अशासकीय विद्यालयों के छात्रों में अध्ययन में एकाग्रता कम पायी गई। अशासकीय विद्यालयों की छात्राओं का मध्यमान शासकीय विद्यालयों की छात्राओं की अपेक्षा अधिक है अतः शासकीय विद्यालयों की छात्राओं में अध्ययन में एकाग्रता कम पायी गई। अतः यह कहा जा सकता है कि शासकीय विद्यालयों के छात्र ज्यादा एकाग्रता के साथ अध्ययन करते हैं जबकि अशासकीय विद्यालयों की छात्राएं अध्ययन में ज्यादा एकाग्रता प्रदर्शित करती हैं।

संदर्भ ग्रंथ –

- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एशियन सोशल साइंस आईएसएसएन(ई): 2224–4441 आईएसएसएन(पी): 2226–5139 डीओआई: 10.18488/जर्नल.1.2017.710.891.897 वॉल्यूम. 7, संख्या 10, 891–897 1 2017 आईएसएस प्रकाशन। सर्वाधिकार सुरक्षित। यूआरएल: www.jetir.org/
- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एशियन सोशल साइंस, 2017, 7(10): 891–897 892 1 2017 आईएसएस प्रकाशन।
- Bocar, Anna & Tizon, Marylene. (2017). Study Habits and the Perceived Factors that Distract the Concentration of La Salle University Freshmen. SSRN Electronic Journal. 10.2139/ssrn.2979233.

- Ebele U. F. and Olofu P. A.(2017) : Study habit and its impact on secondary school students' academic performance in biology in the Federal Capital Territory, Abuja, 12(10), pp. 583-588, DOI: 10.5897/ERR2016.3117 Article Number: 734608A64524
- Jafari H, Aghaei A, Khatony A. Relationship between study habits and academic achievement in students of medical sciences in Kermanshah-Iran. Adv Med Educ Pract. 2019 Aug 15;10:637-643. doi: 10.2147/AMEP.S208874. PMID: 31616199; PMCID: PMC6699491.
- Jr, Gilbert. (2019). Learning styles, study habits and academic performance of Filipino University students in applied science courses: Implications for instruction. Journal of Technology and Science Education. 9. 184. 10.3926/jotse.504.

Copy

- Kaur ,Jasgeet & Singh , Pankaj (2020) : Study Habits And Academic Performance: A Comparative Analysis, 7(7), European Journal of Molecular & Clinical Medicine ISSN 2515-8260
- Le, Vy. (2021). An Investigation into Factors Affecting Concentration of University Students. Journal of English Language Teaching and Applied Linguistics. 3. 07-12. 10.32996/jeltal.2021.3.6.2.
- Mangal,S.K. and Mangal S. (2019) : LEARNING AND TEACHING. (n.p.): PHI Learning Pvt. Ltd.
- Rabia,M. , Mubarak,N. , Tallat,H. , Nasir, W.(2107) : A study on study Habits and academic performance of students, International Journal of Asian Social Science ISSN(e): 2224-4441 ISSN(p): 2226-5139 DOI:10.18488/journal.1.2017.710.891.897 Vol. 7, No. 10, 891-897© 2017 AEES Publications. All Rights Reserved. URL: www.aessweb.com
- Saraswat P.K. (2016) : A study of study habits and learning style of students studying in different types of secondary schools in context to their academic achievement. Dr. B. R. Ambedkar University Agra <http://hdl.handle.net/10603/268287>
- Siahi,E.A. and Maiyo,J.K.(2015) : Study of the Relationship between Study Habits and Academic Achievement of Students: A Case of Spicer Higher Secondary School, India.International Journal of Educational Administration and Policy Studies,7{7},p{134-141}, DOI: 10.5897/IJEAPS2015.0404 Article Number
- Vidyakala, K. (2019) : A Conceptual Study on Relationship between Learning Style & Academic Performance International Journal of Management, IT & Engineering Vol. 9 Issue 3, March 2019,, Available at SSRN: <https://ssrn.com/abstract=361681922>